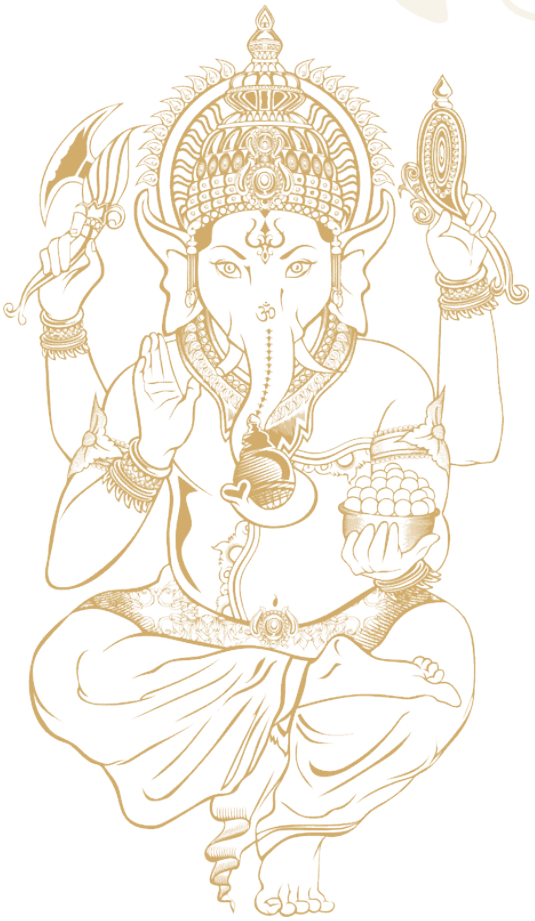

07 Jun 2010

10:25 AM

Simla

Model: web-freekundliweb

Order No: 121561602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/06/2010**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**10:25:00 घंटे**
इष्ट	12:49:02 घटी
स्थान	**Simla**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:06:00 उत्तर
रेखांश	77:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:03:40 घंटे
वेलान्तर	00:01:12 घंटे
साम्पातिक काल	03:05:37 घंटे
सूर्योदय	05:17:23 घंटे
सूर्यास्त	19:23:04 घंटे
दिनमान	14:05:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	22:21:09 वृष
लग्न के अंश	28:40:17 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सौभाग्य
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दे-देवांशु
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	28:40:17	304:35:35	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			वृष	22:21:09	00:57:25	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	17:46:14	12:21:50	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
मंगल			सिंह	05:57:55	00:31:15	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
बुध			वृष	01:06:18	01:32:39	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	मित्र राशि
गुरु			मीन	06:07:08	00:08:02	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	स्वराशि
शुक्र			मिथु	27:34:43	01:10:44	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
शनि			कन्या	03:52:20	00:00:45	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मित्र राशि
राहु	व		धनु	18:13:43	00:02:43	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	18:13:43	00:02:43	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	नीच राशि
हर्ष			मीन	06:15:33	00:01:21	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
नेप	व		कुंभ	04:41:02	00:00:13	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
प्लूटो	व		धनु	10:34:09	00:01:26	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
दशम भाव			मेष	24:51:20	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:00:26

लग्न-चलित

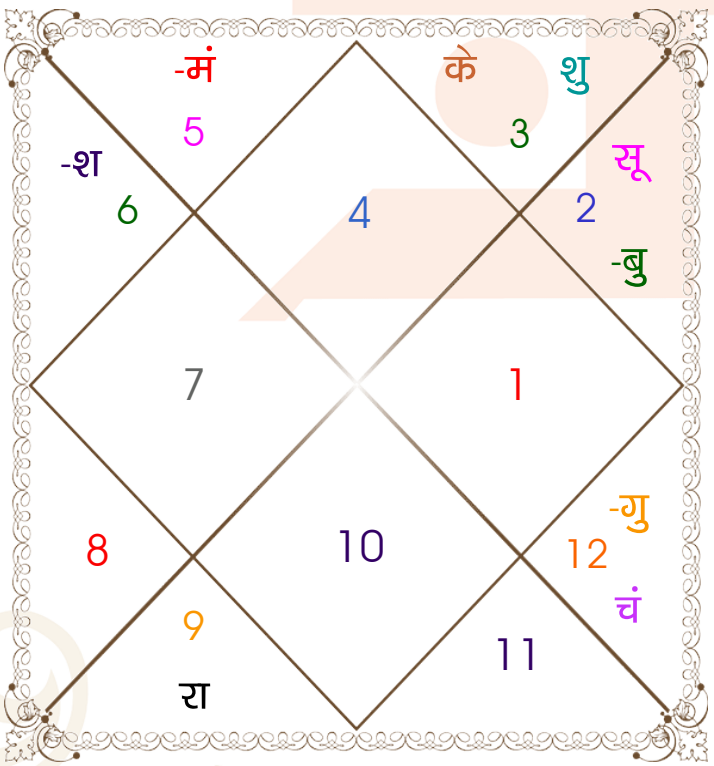

चन्द्र कुंडली

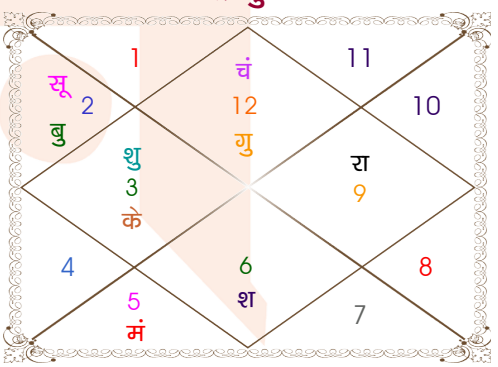

नवमांश कुंडली

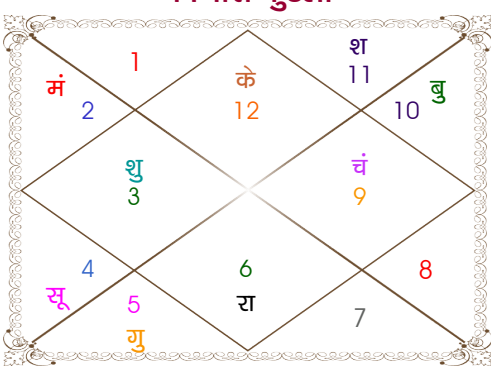

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 15 वर्ष 7 मास 3 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
07/06/2010		09/01/2026		09/01/2033		09/01/2053		09/01/2059	
09/01/2026		09/01/2033		09/01/2053		09/01/2059		09/01/2069	
बुध	08/06/2011	केतु	07/06/2026	शुक्र	10/05/2036	सूर्य	28/04/2053	चंद्र	10/11/2059
केतु	04/06/2012	शुक्र	07/08/2027	सूर्य	11/05/2037	चंद्र	28/10/2053	मंगल	10/06/2060
शुक्र	05/04/2015	सूर्य	13/12/2027	चंद्र	09/01/2039	मंगल	05/03/2054	राहु	10/12/2061
सूर्य	09/02/2016	चंद्र	13/07/2028	मंगल	10/03/2040	राहु	28/01/2055	गुरु	11/04/2063
चंद्र	10/07/2017	मंगल	09/12/2028	राहु	11/03/2043	गुरु	16/11/2055	शनि	09/11/2064
मंगल	08/07/2018	राहु	28/12/2029	गुरु	09/11/2045	शनि	28/10/2056	बुध	10/04/2066
राहु	24/01/2021	गुरु	04/12/2030	शनि	09/01/2049	बुध	03/09/2057	केतु	09/11/2066
गुरु	02/05/2023	शनि	13/01/2032	बुध	10/11/2051	केतु	09/01/2058	शुक्र	10/07/2068
शनि	09/01/2026	बुध	09/01/2033	केतु	09/01/2053	शुक्र	09/01/2059	सूर्य	09/01/2069

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
09/01/2069		10/01/2076		09/01/2094		10/01/2110		10/01/2129	
10/01/2076		09/01/2094		10/01/2110		10/01/2129		00/00/0000	
मंगल	07/06/2069	राहु	22/09/2078	गुरु	27/02/2096	शनि	13/01/2113	बुध	08/06/2130
राहु	26/06/2070	गुरु	14/02/2081	शनि	10/09/2098	बुध	23/09/2115		00/00/0000
गुरु	01/06/2071	शनि	22/12/2083	बुध	17/12/2100	केतु	01/11/2116		00/00/0000
शनि	10/07/2072	बुध	11/07/2086	केतु	22/11/2101	शुक्र	01/01/2120		00/00/0000
बुध	07/07/2073	केतु	29/07/2087	शुक्र	23/07/2104	सूर्य	13/12/2120		00/00/0000
केतु	04/12/2073	शुक्र	29/07/2090	सूर्य	12/05/2105	चंद्र	15/07/2122		00/00/0000
शुक्र	03/02/2075	सूर्य	23/06/2091	चंद्र	11/09/2106	मंगल	24/08/2123		00/00/0000
सूर्य	11/06/2075	चंद्र	22/12/2092	मंगल	18/08/2107	राहु	30/06/2126		00/00/0000
चंद्र	10/01/2076	मंगल	09/01/2094	राहु	10/01/2110	गुरु	10/01/2129		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 15 वर्ष 6 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।